कमजोर पड़ने से पहले तूफान ने ली चार जानें, चेन्नै का रनवे तक रहा बंद

तमिलनाडु में पेड़ गिरने से बिजली ठप, देशी-विदेशी करीब 30 उड़ानें रहीं रद्द

चेन्नै का मशहूर मरीना बीच तूफान के बाद पानी से सराबोर रहा।

■ पीटीआई, चेन्नै

तमिलनाडु में मामल्लापुरम तट पार करने वाला चक्रवाती तूफान मैंडूस गहरे दबाव के क्षेत्र में तब्दील होकर कमजोर हो गया है, लेकिन इसका शहर और उसके आसपास के इलाकों में काफी असर पड़ा है, जिससे कई पेड़ उखड़ गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि चक्रवात ने 9 और 10 दिसंबर की मध्यरात्रि को 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तट पार किया, जिसके असर से शहर में करीब 400 पेड़ उखड़ गए। उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बगैर बताया कि चार लोगों की मौत हो गई है।

यहां वृहद चेन्नै निगम समेत विभिन्न निकाय एजेंसी गिरे हुए पेड़ों को हटाने में लगी रहीं। सीएम ने कहा कि पड़ोसी जिलों - चेंगलपेट, कांचीपुरम और विल्लुपुरम में बचाव कार्य तेज किया जा रहा है। चक्रवात से बिजली के खंभों और ट्रांसफॉर्मर को नुकसान पहुंचने के कारण 600 स्थानों पर बिजली गुल रही और इनमें से 300 स्थानों पर बिजली बहाल कर दी गई है। राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा कि 9 हजार से अधिक लोगों को 205 राहत केंद्रों में रखा गया है। चक्रवात के कारण शुक्रवार से शनिवार के बीच कुल 30 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गईं। शनिवार सुबह कुछ देर के लिए हवाई अड्डे के रनवे को भी बंद कर दिया गया। इसके अलावा, चेन्नै से रवाना होने वाली नौ उड़ानों को रद्द कर दिया गया, जबकि यहां आने वाली 21 उड़ानों का मार्ग दूसरे शहरों की ओर मोड़ दिया गया।

राज्य में कई जगहों पर संपत्ति का भी काफी नुकसान हुआ है।

nwda.gov.in